पालनहार | by Manoj Verma

खाटू नगरी बिराजयो जग का थे पालनहार
घर घर पूजा हो रही घर घर जय जयकार

म्हारा घर का थे पालनहार
म्हाने थे धीर बंधाओ जी
निंदिया ना आवे बाबा श्याम
थे सर पर हाथ फिराओ जी
म्हारा घर का .....

काली घटायें काले हैं बादल सर मेरे मंडराए
बिजली भी चमके बादल भी कड़के, दिल मेरा घबराये
अब ना देर करो म्हारा श्याम, म्हाने थे धीर बंधाओ जी
म्हारा घर का .....

छायो अँधियारो जीवन में मेरे क्यों न दरश दिखाओ जी
थारी बाट उडीका म्हारा श्याम, म्हाने क्यों तरसाओ जी
अब तो आ जाओ घनश्याम, क्यों थे म्हाने रुलाओ जी
म्हारा घर का .....

बचपन सु माँ ने म्हारा ओ बाबा थारो ही दरश करायो जी
हारे को साथी म्हारो यो बाबा, यो ही म्हाने बतलायो जी
सबकी बिगड़ी बनावे बाबा श्याम, मेरी बिगड़ी बनाओ जी
म्हारा घर का .....

आशीष की है या ही विनती म्हाने थे चाकर लगाओ जी
चाकर लगाओ दुखड़ा मिटाओ , म्हाने थे नीडे बुलाओ जी
मेरा दुखड़ा मिटाओ बाबा श्याम म्हाने थे धीर बंधाओ जी
म्हारा घर का .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-manoj-verma/